बादामी के चालुक्य नरेश पुलकेशिन द्वितीय के **एहोल अभिलेख** में सर्वप्रथम **'गुर्जर'** जाति का उल्लेख मिलता है। **गुर्जर प्रतिहार वंश** का शासन प्रारम्भ में मारवाड़ का मंडोर और जालौर का भीनमाल था। इसके बाद प्रतिहारों ने उज्जैन और कन्नौज को अपनी शक्ति का केंद्र बनाया। इनका मुख्यतया शासन काल **आठवीं से 10 वीं शताब्दी** के मध्य रहा।

- गुर्जर का अर्थ - गुर्जरात्र
- प्रतिहार का अर्थ - रक्षक/द्वारपाल
- **गुर्जर जाति** का सर्वप्रथम उल्लेख किस अभिलेख में मिलता है - चालुक्य नरेश पुलकेशिन -2 के **एहोल अभिलेख में**
- गुर्जर प्रतिहारों का शासनकाल का समयकाल रहा - **आठवीं से 10 वीं शताब्दी**
- ह्वेनसांग नेअपनी पुस्तक सी यु की में गुर्जर प्रदेश को **कु -चे -लो** और भीनमाल को **पिलोमोलो** कहा
- अलमसूदी ने गुर्जर प्रतिहारों को **अल गुजर** कहा और राजा के लिये **बोरा** शब्द का प्रयोग किया।

गुर्जर प्रतिहार वंश -

गुर्जर प्रतिहार सामान्य परिचय :

अब हम आर्टिकल में **गुर्जर प्रतिहार वंश** के बारे में विस्तार से जानकारी शेयर कर रहें है , पुरे टॉपिक का सार दिया गया है ताकि परीक्षा में आए हर प्रश्न का आप निसंकोच उत्तर दे सको। प्यारे दोस्तो आप अच्छे से इस आर्टिकल का हर फैक्ट अच्छे से याद कर लेवें

गुर्जर प्रतिहार वंश की उत्पत्ति

- पृथ्वीराज रासो,मुहणोत नैणसी - अग्निकुंड से
- गौरीशंकर हीराचंद ओझा - देशी क्षत्रिय
- भण्डारकर - विदेशी
- केनेड़ी महोदय - ईरानी
- स्टेनकोनो और स्मिथ - हूणों से
- कनिंघम - कुषाणों से

मुहणोत नैणसी ने गुर्जर प्रतिहारों की कितनी शाखाओं का वर्णन किया - 26 (मण्डोर सबसे प्राचीन)

- मंडोर की शाखा
- भीनमाल शाखा

EduClutch

मंडोर की शाखा

- गुर्जर प्रतिहारों का प्रारंभिक केन्द्र माना जाता है - **मण्डोर**
- **प्रतिहारों का आदि पुरुष** माना जाता है - हरिश्चन्द्र को
- प्रतिहारों के संस्थापक हरिश्चंद्र का उपनाम - रोहिलिद्धि
- हरिश्चन्द्र की 2 पत्नियाँ - भद्रा (क्षत्रिय), द्विजात्मा (ब्राह्मणी)
- भद्रा पत्नी से रज्जिल,भोगभट्ट, दह,कक्क पुत्र हुए
- **मण्डोर की वंशावली का प्रारंभ** माना जाता है - रज्जिल से

- सर्वप्रथम **मण्डोर** को राजधानी बनाकर राजसूय यज्ञ करने वाला प्रतिहार शासक- रज्जिल
- **रोहिसकुप(जोधपुर)** में महामंडेलश्वर महादेव का मंदिर बनवाया - रज्जिल
- रज्जिल के दरबार में उपस्थित ब्राह्मण जिसने रज्जिल को **'राजा'** की उपाधि दी - नरहरि
- **पिल्लपाणी** (साहसिक कार्य करने वाला) की उपाधि किसने धारण की - नरभट्ट
- रोहिसकुप में विष्णु मंदिर बनवाया - नरभट्ट
- **मेड़ता** को राजधानी बनाने वाला प्रतिहार शासक - नागभट्ट प्रथम
- नागभट्ट की उपाधि - नाहड़

- रोहिसकूप नगर में महामंडलेश्वर मंदिर (महादेव मंदिर) किसने बनवाया?- रज्जिल
- नागभट्ट प्रथम के बाद प्रतिहारों का राजा कौन बना - भोज प्रतिहार
- जैसलमेर (वल्ल) के देवराज भाटी को पराजित व जोधपुर में सिद्धेश्वर महादेव मंदिर किसने बनवाया - शीलुक
- प्रतिहारों में एकमात्र शासक जो वीणा वादक था - झोट प्रतिहार
- 837 ई. में मण्डोर के विष्णु मंदिर में **जोधपुर प्रशस्ति** किस शासक ने लगवाई - बाऊक

- 861 ई. में घटियाला के दो शिलालेख उत्कीर्ण करवाए - कुक्कुक
- अपनी दानी प्रवृत्ति के कारण उद्योतनशूरी ने किसे अपने ग्रन्थ कुवलयमाला में **"प्रतिहार वंश का कर्ण"** कहा - कुक्कुक को
- 1395 ई में इन्दा प्रतिहार ने **मंडोर दुर्ग** अपनी बेटी की शादी में चुंडा राठोड को सौंप दिया

EduClutch

Accelerate your study with educlutch.com

- प्रतिहार वंश की मंडोर शाखा का दानवीर शासक कक्कुक था, इसे **मंडोर शाखा का कर्ण** कहा जाता है
- **यशोवर्धन** प्रतिहार वंश की मंडोर शाखा का एक मात्र शासक था. जिन्होनें भागवत धर्म को सरंक्षण देते हुए शहर में सर्वाधिक कुए और तालाबों का निर्माण करवाया

भीनमाल शाखा

- इस शाखा को **रघुवंशी प्रतिहार शाखा** भी कहते है
- **नागभट्ट - 1** ने भीनमाल को **चावंडो** से जीता और इसे अपनी राजधानी बनाया
- प्रतिहारों की **भीनमाल शाखा का संस्थापक** किसे माना जाता है - नागभट्ट - 1
- जालोर, अवंति, कन्नौज के प्रतिहार वंश का संस्थापक - नागभट्ट - 1
- नागभट्ट I ने भीनमाल के बाद अपनी दूसरी राजधानी किसे बनाया? – **अवन्ती(उज्जेन)**
- नागावलोक, नारायण (ग्वालियर प्रशस्ति) म्लेच्छो का नाशक, इन्द्र के दम्भ को नाश करने वाला कहा गया - नागभट्ट - 1

- दंतिदुर्ग (राष्ट्रकूट शासक) को हिरण्यगर्भदान यज्ञ करने हेतु नागभट्ट I ने कहाँ आमंत्रित किया - उज्जैन
- प्रतिहार वंश का वास्तविक संस्थापक/प्रतिहार वंश की नींव डालने वाला शासक कहलाता है - वत्सराज
- **रणहस्तिन** (युद्ध का हाथी), **जयवराह** (ब्राह्मण दुग्गिल द्वारा प्रदत्त) उपाधि किस प्रतिहार शासक की थी - वत्सराज
- वत्सराज के समय उद्योतन सूरि व आचार्य जिनसेन ने किन प्रसिद्ध पुराणों / ग्रन्थों की रचना की - कुवलयमाला(778 ई.), हरिवंश पुराण (781 ई.)
- वत्सराज के समय वलिप्रबंध अभिलेख लिखा गया, जिसमें सती प्रथा, नियोग प्रथा और स्वयंवर प्रथा की जानकारी मिलती है

- **त्रिकोणीय संघर्ष** की शुरूआत किस शासक के समय से मानी जाती है - वत्सराज
- त्रिकोणीय संघर्ष की समाप्ति - नागभट्ट -2
- कन्नौज के शासक इंद्रायुद्ध को हराकर, कन्नौज पर अधिकार कर लिया
- राष्ट्रकूट ध्रुव -1 द्वारा वत्सराज को पराजित करने का उल्लेख किन अभिलेखों में मिलता है - राधनपुर व वनी डिंडोरी अभिलेख
- परमभट्टारक, महाराजाधिराज, परमेश्वर की उपाधि - नागभट्ट- 2
- कन्नौज को जीतकर राजधानी किसने बनाया - नागभट्ट- 2

Accelerate your study with educlutch.com

- दानशीलता व कन्यादान के कारण नागभट्ट II को कर्ण की उपाधि दी गई, जिसका उल्लेख मिलता है - ग्वालियर प्रशस्ति
- नागभट्ट II ने गंगा में जल समाधि ले ली थी, जिसका उल्लेख मिलता है - प्रभावक चरित्र(चंद्रप्रभ सुरि)
- नागभट्ट II के बाद प्रतिहार वंश का शासक कौन बना - रामभद्र
- **प्रतिहारों का पितृहंता** शासक किसे कहा गया - मिहिरभोज को
- प्रतिहार वंश का वह शासक जिसके समय प्रतिहारों की शक्ति अपने चरम पर थी - मिहिरभोज
- मिहिरभोज ने कौनसी उपाधियाँ धारण की - **आदिवराह**(ग्वालियर प्रशस्ति), **प्रभास पाटन**(दोलतपुर अभिलेख)
- किस अभिलेख में मिहिरभोज को सम्पूर्ण पृथ्वी को जीतने वाला बताया गया है - बग्रमा अभिलेख

- अरब यात्री सुलेमान ने किसे इस्लाम का शत्रु/इस्लाम की दीवार व अरबों का अमित्र कहा - मिहिरभोज भोज को
- मिहिरभोज ने राष्ट्रकूट वंश के कृष्ण तृतीय को हराकर कन्नौज पर पूरी तरह से अधिकार कर लिया था
- निर्भय नरेश, रघुकुल चूड़ामणी निर्भयराज, महेन्द्रायुद्ध नामक उपाधियाँ किसने धारण की - महेन्द्रपाल - 1
- महेन्द्रपाल के गुरू, जो दरबारी साहित्यकार भी था - राजशेखर
- राजशेखर की रचनाएँ- कर्पूरमंजरी, बाल रामायण, बाल भारत (प्रचंड पांडव), काव्य मीमांसा, हरविलास
- B.N पाठक ने अन्तिम महान् हिन्दू शासक किसे कहा - महेन्द्रपाल I

- राजशेखर ने किसे **'आर्यावर्त का महाराधिराज'** कहा है - महिपाल - 1
- प्रतिहारों का पतन किस के शासन में होना शुरू हो गया था - महिपाल - 1
- महिपाल प्रथम की उपाधियाँ - विनायक पाल, हेरम्भपाल, रघुकुल मुकुटमणि
- अरबी यात्री अल मसूदी किस शासक के समय भारत आया - महिपाल - 1

- अरबी यात्री मिहिरभोज के समय आया - **सुलेमान**
- 1018 ई. में महमूद गजनवी के कन्नौज आक्रमण के समय गुर्जर प्रतिहार वंश का शासक था - राज्यपाल

Accelerate your study with educlutch.com

- **प्रतिहार वंश का अंतिम शासक** था - यशपाल
- प्रतिहार साम्राज्य का पतन हुआ - 1093 ई में **गहड़वाल वंश** ने कन्नौज को जीतकर प्रतिहारों का सम्राज्य समाप्त कर दिया

EduClutch

Accelerate your study with educlutch.com